

छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, जगण, रगण, जगण, और गुरु (रजरजग) के योग से 13 वर्ण होते हैं।

**रागचूर्ण** पुं. (तत्.) खैर, कत्था का पेड़ 2. सिंदूर, इंगुर 3. लाख 4. अबीर/गुलाल 5. कामदेव।

**रागदारी स्त्री.** (तत्.) संगी. राग-रागिनियों गाने की क्रिया या पद्धति।

**रागद्रव्य** पुं. (तत्.) रंग।

**रागना अ.क्रि.** (तद्.) 1. रंगना, रंजित होना 2. अनुरक्त होना, अनुराग करना, निमग्न होना, किसी से प्रेम होना, किसी कार्य में लीन होना 3. प्रयत्न करना (संगीत) 4. गीत गाना, राग अलापना।

**रागपुष्प** पुं. (तत्.) गुलदुपहरिया का फूल, पौधा, बंधुजीव।

**रागमाला स्त्री.** (तत्.) ऐसा कोई गीत या गेय पद जिसमें एक साथ अनेक शास्त्रीय रागों का प्रयोग हो, राग शृंखला।

**राग-रंग** पुं. (तत्.) 1. गाना-बजाना 2. मौजमस्ती, आमोद प्रमोद 3. किसी उत्सव में मनोरंजक कार्यक्रम 4. विषय भोग, विलास।

**राग-रज्जु** पुं. (तत्.) प्रेम की डोर, प्रेम का बंधन, प्रेमियों को मिलाने का कारण या आधार, कामदेव।

**रागलता स्त्री.** (तत्.) प्रेमरूपी लता, प्रेम की बेल, कामदेव की पत्नी, रति।

**रागसूत्र** पुं. (तत्.) 1. रंगा हुआ सूत, डोरा 2. रेशमी डोरा।

**रागात्मक वि.** (तत्.) 1. राग संबंधी, प्रेमपूर्ण, शृंगारिक, कामुक संगी. 2. राग, रागों से संबंधित।

**रागानुक वि.** (तत्.) राग का अनुगमन करने वाला, आसक्ति वाला, प्रेम, आसक्ति युक्त।

**रागारुण वि.** (तत्.) प्रेम के कारण जिसका चेहरा लाल हो गया हो, अनुराग के समान लाल रंग, प्रेम से रंजित, प्रेम में रंगा हुआ।

**रागिनी स्त्री.** (तत्.) भारतीय संगीत में राग-रागिनियों के संबंध में राग की पत्नी, प्रत्येक राग की पांच या छः रागिनियाँ और इस प्रकार कुल 36 रागिनियाँ मानी जाती हैं 2. चतुर, विदग्ध स्त्री 3. स्वेच्छाचारिणी स्त्री 4. लक्ष्मी का एक रूप, जयश्री।

**रागी** पुं. (तत्.) प्रेमी, आसक्त, अनुरक्त 2. कामुक, लंपट व्यक्ति 3. वि. राग से युक्त, राग वाला 4. रंगीन, रंगा हुआ 5. लाल रंग का, लाल 6. रंगने वाला 7. भावपूर्ण, प्रेमपूर्ण, प्रीतिपूर्ण 8. विषयों में आसक्त (संगीत) 9. राग-रागिनियों का ज्ञाता, गाने वाला, शास्त्रीय गायक, गवैया 10. एक मोटा अनाज जिसके बीज बाजरे के बराबर काले, हल्के लाल रंग के होते हैं, मडुआ।

**राघव** पुं. (तत्.) 1. रघु का पुत्र या वंशज 2. रघुकुल में उत्पन्न व्यक्ति, परंतु यह शब्द दशरथ पुत्र राम के लिये ही अधिक प्रचलित है।

**राचना अ.क्रि.** (तद्.) 1. रंग से युक्त होना, रंगा जाना, रंगना 2. किसी के प्रति अनुरक्त होना, प्रेम करना 3. किसी कार्य में मग्न हो जाना, रम जाना 4. सुशोभित होना, फबना, अच्छा लगना 5. रीझना, मोहित होना 6. चिंतित होना 1. रचना करना, बनाना 2. आयोजित करना।

**राछ** पुं. (देश.) 1. लकड़ी के अंदर का ठोस और पक्का भाग, हीर 2. कारीगरों का एक उपकरण 3. जुलाहों द्वारा कपड़ा बुनने में प्रयुक्त कंधीनुमा एक उपकरण जिससे तागे ऊपर नीचे होते रहते हैं 4. बारात 5. आटा पीसने की चक्की का खूंटा 6. हथौड़ा 7. श्रवण मास में गाया जाने वाला एक प्रकार का लोकगीत, कजली-गीत।

**राज** पुं. (तत्.) 1. शासन 2. राज्य 3. शासित देश 4. शासन भार 5. पूर्ण स्वामित्व, अधिकार, प्रभाव 6. ठाट बाट करना, राजा की तरह सुख-वैभव भोगना, राजवर्त्म 7. समास युक्त पद में 'राजा' का एक रूप जैसे- राजपरिवार राजमहल, राजधर्म, राज कन्या, राजकुमार, राज-काज, राज सेवक आदि 8. प्रमुख, श्रेष्ठ बताने के लिए प्रयुक्त जैसे- वैद्यराज, कविराज, युवराज 9.